सुनले ओ खाटूवाले | By Rajender Agrawal (Dei)

सुनले ओ खाटूवाले दुनिया के हैं सताए
सबने रुलाया मुझको एक तू ही तो हंसाये
सुनले ओ खाटूवाले.....

जीवन की तकलीफो में नहीं कोई काम आया
जिसको समझता था अपना वो ही देख मुस्कुराया
रिश्तो के रास्ते भी थे मुझको बंद पाए
सुनले ओ खाटूवाले.....

होती ना जो तुम्हारी रेहमत की छाँव मुझ पर
अब तक झुलस ही जाते तपती हुई धरा पर
शीतलता मिलती दर पे जो जाए वो ही पाए
सुनले ओ खाटूवाले.....

हारे हुए का तुम हो कलयुग में एक सहारा
जिसने किया भरोसा जिसने तुझे पुकारा
राजू सदा ही ऐसे गुणगान तेरा गाये
सुनले ओ खाटूवाले.....

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%b8%e0%a5%81%e0%a4%a8%e0%a4%b2%e0%a5%87-%e0%a4%93-%e0%a4%96%e0%a4%be%e0%a4%9f%e0%a5%82%e0%a4%b5%e0%a4%be%e0%a4%b2%e0%a5%87-by-rajender-agrawal-dei/